ॐ

~~~~~~~~~~

विद्या भवन,बालिका विद्यापीठ,लखीसराय ।

कक्षा-नवम् विषय- हिन्दी

दिनांक-15-11-2020 माटी वाली

卐 सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया 卐

मेरे प्यारे बच्चों, शुभ प्रभात!

आपका हर दिन खुशियों से भरा हो!

एन सी इ आर टी पर आधारित

माटी वाली

आज 'माटी वाली' का अंतिम भाग पढ़ेंगे।

"माटाखान से लाती हूँ माटी।"

"वह माटाखान चढ़ी है तेरे नाम? अगर है तो हम तेरा नाम लिख देते हैं।"

माटाखान तो मेरी रोजी है साहब।"

"बुढ़िया हमें ज़मीन का कागज़ चाहिए, रोज़ी का नहीं।"

बाँध बनने के बाद में क्या खाऊँगी साब?"

"इस बात का फैसला तो हम नहीं कर सकते। वह बात तो तुझे खुद ही तय करनी पड़ेगी।"

टिहरी बाँध की दो सुरंगों को बंद कर दिया गया है। शहर में पानी भरने है। लगा शहर में आपाधापी मची है। शहरवासी अपने घरों को छोड़कर वहाँ से भागने लगे हैं। पानी भर जाने से सबसे पहले कुल
~~~~~~~~~~

श्मशान घाट डूब गए हैं। माटी वाली अपनीझोपड़ी के बाहर बैठी है। गाँव के हर आने-जाने वाले से एक ही बात कहती जा रही है-"गरीब आदमी का श्मशान नहीं उजड़ना चाहिए।"

छात्र कार्य-

दी गई पाठय सामग्री का शुद्ध-शुद्ध वाचन करें।

धन्यवाद

कुमारी पिंकी “कुसुम”